महाविद्यालय : 2627645 / 2630646
छात्रावास : 2627722

राजकीय कन्या महाविद्यालय,अजमेर – 305001
GOVERNMENT GIRLS' COLLEGE, AJMER – 305001

Ref.No.F( ) GGCA/2020-21/ Date :08-12-2020

प्रेस नोट

ऑयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान और राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय कहानी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।कार्यशाला आयुक्त श्रीमान् संदेश नायक के निर्देशन में संचालित की जा रही है ।कार्यशाला के दूसरे दिन प्राचार्य उद्बोधन से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ उमेश भार्गव ने बताया कि साहित्यकार के समाज के प्रति कर्तव्य का निर्वाह करते हुए समाज में सकारात्मक विचारधारा का प्रवाह करता है।समाज,राष्ट्र नष्ट हो सकते हैं पर साहित्य सतत् प्रवहमान है। मुख्य वक्ता के रूप में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त श्रीआलोक रंजन ने अपनी कहानी का पाठ करते हुए कहानी के तत्त्वों पर बात की । उन्होंने स्पष्ट किया कि कथाकार कथानक को दैनिक जिंदगी से उठाता है ; वह पात्र के व्यवहार के माध्यम से चरित्र को विकसित करते हुए पाठक से तारतम्यता स्थापित करता है।उन्होंने कहा कि संवाद योजना की पकड़ ही कहानी को प्रभावी बनाती है ;कहानीकाउद्देश्य समाजपरक होना,सन्देश परक होना चाहिए तथा अध्ययन की प्रवृति ही हमारे लेखन को सशक्त बनाती है।अंग्रेजी विभाग की प्रभारी डॉ. प्रवीण मिर्धा ने 'विभाजन के संदर्भ में कहानियों में विस्थापन की पीड़ा' विषय पर अपना व्याख्यान दिया ।उन्होंने विभाजन की त्रासदी में बदलती मनोभावों को कथा कारों ने अपनी लेखनी में किस तरह महसूस किया उस पर चर्चा की । उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि कहानी वह इतिहास है जो दर्ज होने से छूट गया साथ ही उन्होंने उर्दू , हिन्दी और पंजाबी की कहानियों का शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत किया ।अर्थशास्त्री व कला मर्मज्ञ डॉ मंजू श्री गुप्ता ने कविता के माध्यम से कहानी लेखन के बुनावट विषय पर प्रभावी बात की । मिज़ोरम विश्वविद्यालय के डॉ. अखिलेश शर्मा ने कहानी की परंपरा पर चर्चा करते हुए राजपूताना से कहानी परंपरा की मौखिक शुरुआत को इंगित करते हुए 'उसने कहा था ', कहानी के माध्यम से पात्र की अमरता पर बल दिया और कहानी के प्रमुख तीन तत्त्व प्रारंभ मध्य और अंत पर बात की । प्रभावी ढंग से कौतूहल मिश्रित कथानक ही कहानी को सफल बनाता है , उन्होंने विषय का संवर्धन करते हुए यह बात कही । हिंदी विभाग प्रभारी डॉ शमा खान ने कहानी के लेखन के मुख्य बिंदु पर चर्चा की और अपनी स्वरचित कहानी 'भूख ' का पाठ किया तथा सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया । कार्यशाला के दूसरे दिन के सत्रों का संयोजन डॉ. विमलेश शर्मा ने विषयों का संवर्धन करते हुए तथा अनेक विमर्शों तथा साहित्यिक परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए किया । इस कार्यशाला में साहित्यकार गोपाल माथुर , विभिन्न महाविद्यालयों के आचार्य यथा -डॉ.मंजु शर्मा , चुरू, डॉ. मधु , डॉ दीपा सहाय , डॉ अर्चना भार्गव (राजकीय महाविद्यालय, अजमेर) , डॉ नीता माथुर ,युवा लेखक सचिन और अनेक शोधार्थी उपस्थित रहे ।

प्राचार्य
राजकीय कन्या महाविद्यालय,
अजमेर

सादर प्रकाशनार्थ,
सम्पादक महोदय, ...

महाविद्यालय : 2627645 / 2630646
छात्रावास : 2627722

राजकीय कन्या महाविद्यालय,अजमेर – 305001
GOVERNMENT GIRLS' COLLEGE, AJMER – 305001

Ref.No.F( ) GGCA/2020-21/ Date :09-12-2020

प्रेस नोट

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान और राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर के तत्त्वावधान में ,7-9 दिसम्बर 2020 को कहानी की बुनावट के विविध आयाम', शीर्षक विषय पर त्रिदिवसीय परिसंवाद और कार्यशाला का आयोजन किया गया आज अंतिम दिवस कार्यशाला का प्रारंभ हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ शमा खान के स्वागत उद्बोधन से किया गया । इस दिन का संपूर्ण कार्यक्रम वरिष्ठ कथाकार , पत्रकार, आलोचक और एनडीटीवी के संपादक प्रियदर्शन के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहानियों के समकालीन परिदृश्य पर बात करते हुए 'समकालीनता' शब्द पर ही प्रश्न उठाए और कहानियों को लैंगिक ,दलित व आदिवासी विमर्श के आधार पर रेखांकित किया । डॉ अंजु ने,'हिन्दी कहानी में स्त्री विमर्श' विषय पर पत्र प्रस्तुत करते हुए स्त्री विमर्श के विविध पक्षों से रूबरू करवाया विषय का प्रवर्तन करते हुए चुरू महाविद्यालय की सह आचार्य डॉ मंजु शर्मा ने राजस्थानी कहानी की परम्परा पर गहन चर्चा की । उन्होंने अपने वक्तव्य में कहानी सुनने और कहने को भी एक कला बताया।इतिहास विभाग की डॉ अंजना बारेठ ने कहानी की ऐतिहासिकता पर बात करते हुए जातक कथाओं पर बात की । परिसंवाद एवं कार्यशाला कार्यक्रम का प्रतिपुष्टि प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सौम्य परमार और डॉ. सुमन शर्मा ने इस आयोजन को प्रयोगात्मक और कार्यात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धक बताया । इसी क्रम में महाविद्यालय की छात्रा कृष्णा मेडतिया , कृपि जोशी व अंतिमा शर्मा ने भी कहानी कला व उसकी उपादेयता पर अपनी बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने वक्तव्य में प्राचार्य डॉ उमेश भार्गव ने व्यंग्य को कहानी हेतु ज़रूरी बताते हुए कहा कि व्यंग्य जीवन का ज़रूरी हिस्सा है । उन्होंने साहित्य व समाज के एकात्म भाव पर भी विशद चर्चा की ।कार्यक्रम में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भागीदारी निभाई।कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विमलेश शर्मा ने किया ।संपूर्ण कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा ।

प्राचार्य
राजकीय कन्या महाविद्यालय,
अजमेर

सादर प्रकाशनार्थ,
सम्पादक महोदय, ...

राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर
हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला दिनांक 08-12-2020
राजस्थान पत्रिका

05 राजस्थान पत्रिका
अजमेर, मंगलवार, 08 दिसम्बर, 2020

हिन्दी कहानी : बुनावट के विविध आयाम पर कार्यशाला का आगाज

मानवीय मूल्य व नैतिकता की पोषक हैं कहानियां

संभागियों ने कथा-कहानी श्रवण को सुदीर्घ भारतीय परंपरा बताया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अजमेर. आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा व राजकीय कन्या महाविद्यालय-अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी काहनी की बुनावट के विविध आयाम पर शुरू हुई कार्यशाला में संभागियों ने कहानी कहने-सुनने को मानवीय मूल्यों और सामाजिक संस्कार की पोषक बताया। तीन दिवसीय चलने वाली इस साहित्यिक कार्यशाला और परिसंवाद कार्यक्रम के पहले दिन सुधि संभागियों ने साहित्य अध्ययन अभिरुचि पर मुखर चर्चा करते हुए कहानी कहने-सुनने को भारतीय परंपरा के रूप में रूपायित किया।

कॉलेज शिक्षा आयुक्त संदेश नायक के मुख्य आतिथ्य में सोमवार को प्रारंभ हुई वर्चुअल कार्यशाला और परिसंवाद में नायक ने स्वयं की साहित्य अध्ययन अभिरुचि पर चर्चा के साथ कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मानव स्वभाव व सामाजिक विचार प्रणाली में साहित्य के अवदान को रेखांकित किया। उन्होंने भारतीय समाज के परिवेश में कहानी कहने-सुनने को परंपरा बताने के साथ ही कहानी को बच्चों में मानवीय व नैतिक मूल्यों की संवाहक बताया।

आत्मावलोकन कराती हैं कहानियां

परिसंवाद कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए राजकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. उमेश भार्गव ने साहित्य को समाज की आत्मा बताने के साथ ही कहानियों को आत्मावलोकन व मानवीय जीवन को यथार्थ से जोड़ने वाला सेतु बताया। प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता ख्यातलब्ध साहित्यकार गोपाल माथुर ने कहानी की रचना प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उनका कहना था कि कहानी लेखन लेखक के जीवन अनुभव, परिवेश में घटित घटनाओं व चेतन-अवचेतन के दृश्य और स्मृति का प्रतिबिंब होती हैं। उन्होंने कहानी लेखन में परिस्थिति, घटना, संवेदना और शिल्प का महत्व रेखांकित किया।

विकास यात्रा बताई

कार्यशाला की संचालक हिंदी विभाग की डॉ. विमलेश शर्मा ने हिन्दी कहानी के विकास पर परिसंवाद करते हुए गोपाल माथुर की कहानी का पठन किया। डॉ. शमा खान ने समकालीन कहानी में मानवीय संवेदना के पक्ष पर वक्तव्य देने के साथ ही कहानी को किसी मानवीय समस्या के समाधान क सशक्त जरिया बताया।

दैनिक भास्कर

हिंदी कहानी के बुनावट के आयामों पर ऑनलाइन चर्चा

जीजीसीए में राष्ट्रीय परिसंवाद और कहानी कार्यशाला का आयोजन

अजमेर| राजकीय गर्ल्स कॉलेज अजमेर के हिंदी विभाग और कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ऑन लाइन परिसंवाद और कहानी कार्यशाला का आयोजन हुआ। हिंदी कहानी बुनावट के विविध आयाम विषय पर हुई इस तीन दिवसीय ऑन लाइन राष्ट्रीय परिसंवाद और कहानी कार्यशाला का शुभारंभ आयुक्त कॉलेज शिक्षा संदेश नायक ने किया।

जीजीसीए के प्राचार्य डॉ. उमेश भार्गव के पहला उदबोधन दिया। आयुक्त संदेश नायक ने इस मौके पर मानव स्वभाव समाज के विचार प्रणाली में साहित्य के अवदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कहानी कहने और सुनने की सुदीर्घ भारतीय परंपरा रही है। बच्चों में मानवीय मूल्यों और नैतिकता के विकास में कहानियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्राचार्य डॉ. उमेश भार्गव ने कहा कि साहित्य समाज की आत्मा और दर्पण होता है। छोटी-छोटी कहानियां हमारे आत्मावलोकन, नैतिक मूल्यों और मानवीय जीवन के यथार्थ से हमें जोड़ती है। कहानी कार्यशाला के पहले दिन के मुख्य वक्ता गोपाल माथुर वरिष्ठ साहित्यकार, अजमेर ने कहानी की रचना - प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कहानी लेखन में लेखक के मर्मस्पर्शी जीवनानुभवों, आसपास के परिवेश में घटित घटनाओं और देखे गए दृश्यों के साथ स्मृतियां और एकांत प्रेरक का कार्य करते हैं। वह लेखक महान होता है जो समय से परे जाकर लेखन करता है। उन्होंने स्वयं की रचना प्रक्रिया और राजस्थानी के पद्मश्री से सम्मानित सुप्रतिष्ठित लेखक विजयदान देथा के उदाहरण देकर बताया कि स्तरीय रचनाओं का अध्ययन भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। लेखन में परिस्थितियां, घटनाएं, संवेदनाएं और शिल्प बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। कहानी लिखने के लिए शिल्प, शैली, संवाद, प्रवाह, बिंब आदि की विशेष भूमिका होती है। डॉ. विमलेश शर्मा ने कहानी की रचना प्रक्रिया और हिंदी कहानी के विकास परंपरा पर बात की इसके साथ ही गोपाल माथुर की कहानी का पाठ किया। हिंदी विभाग प्रभारी डॉ. शमा खान ने समकालीन कहानी में मानवीय संवेदना विषय पर अपने वक्तव्य में बताया की कहानी समस्या के समाधान भी प्रस्तुत करती है। आज के कृत्रिम जीवन में भौतिकवाद जीवन के अंतर्विरोधों परिवेश की जटिलताओं आदि को रचनाकार कहानियों के माध्यम से उभरता चलता है। इस संदर्भ में उन्होंने खोई हुई दिशाएं, मेरा घर कहां, वारेन हेस्टिंग्स का सांड आदि कहानियों की चर्चा की। कार्यक्रम क संचालन डॉ. विमलेश शर्मा ने किया।

विद्या ददाति विनयम्

महाविद्यालय : 2627645 / 2630646

राजकीय कन्या महाविद्यालय,अजमेर – 305001

GOVERNMENT GIRLS' COLLEGE, AJMER – 305001

Ref.No.F( ) GGCA/2020-21/ Date :12-12-2020

श्रीमान आयुक्त महोदय,
कॉलेज शिक्षा,
राजस्थान, जयपुर।

विषय : दिनांक 07–09 दिसम्बर को हिन्दी कहानी–बुनावट के विविध आयाम विषय पर राष्ट्रीय स्तरीय परिचर्चा एवं कार्यशाला के प्रतिवेदन बाबत्।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत विनम्र निवेदन है कि राजकीय कन्या महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा वर्तमान साहित्य में कहानी के अवदान और विकासात्मक पक्ष पर एक परिसंवाद कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 07–09 दिसम्बर 2020 तक किया गया। उक्त परिसंवाद और कार्यशाला में राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त साहित्यकार एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित लेखक, साहित्यकार अपने वक्तव्य से छात्राओं तथा प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

महोदय आपकी उपस्थिति से इस कार्यक्रम को गरिमा प्रदान हुई। आपने हमारे आग्रह को स्वीकार किया इसके लिए हम आभारी हैं।

संलग्न–: प्रस्तावित कार्यक्रम का प्रतिवेदन एवं समाचार पत्रों में आये समाचार।

आयोजन समिति

1. डॉ. शमा खान– विभाग प्रभारी।
2. डॉ. विमलेश शर्मा
3. डॉ. अंजु

प्राचार्य
राजकीय कन्या महाविद्यालय,
अजमेर

Scanned with CamScanner

विद्या ददाति विनयम्

महाविद्यालय : 2627645 / 2630646
छात्रावास : 2627722

राजकीय कन्या महाविद्यालय,अजमेर – 305001

GOVERNMENT GIRLS' COLLEGE, AJMER – 305001

Ref.No.F( ) GGCA/2020-21/1099 Date :12-12-2020

परिसंवाद एवं परिचर्चा

विषय–: हिन्दी कहानी : बुनावट के विविध आयाम

दिनांक 07–09 दिसंबर, 2020

(प्रतिवेदन)

ऑयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान और राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय कहानी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका प्रतिवेदन निम्नानुसार है । कार्यशाला आयुक्त श्रीमान् संदेश नायक के निर्देशन में संचालित की जा रही है ।कार्यशाला के दूसरे दिन प्राचार्य उद्बोधन से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ उमेश भार्गव ने बताया कि साहित्यकार के समाज के प्रति कर्तव्य का निर्वाह करते हुए समाज में सकारात्मक विचारधारा का प्रवाह करता है।समाज,राष्ट्र नष्ट हो सकते हैं पर साहित्य सतत् प्रवहमान है। मुख्य वक्ता के रूप में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त श्रीआलोक रंजन ने अपनी कहानी का पाठ करते हुए कहानी के तत्त्वों पर बात की । उन्होंने स्पष्ट किया कि कथाकार कथानक को दैनिक जिंदगी से उठाता है ; वह पात्र के व्यवहार के माध्यम से चरित्र को विकसित करते हुए पाठक से तारतम्यता स्थापित करता है।उन्होंने कहा कि संवाद योजना की पकड़ ही कहानी को प्रभावी बनाती है ; कहानी का उद्देश्य समाजपरक होना,सन्देश परक होना चाहिए तथा अध्ययन की प्रवृति ही हमारे लेखन को सशक्त बनाती है।अंग्रेजी विभाग की प्रभारी डॉ. प्रवीण मिर्धा ने 'विभाजन के संदर्भ में कहानियों में विस्थापन की पीड़ा' विषय पर अपना व्याख्यान दिया ।उन्होंने विभाजन की त्रासदी में बदलती मनोभावों को कथा कारों ने अपनी लेखनी में किस तरह महसूस किया उस पर चर्चा की । उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि कहानी वह इतिहास है जो दर्ज होने से छूट गया साथ ही उन्होंने उर्दू , हिन्दी और पंजाबी की कहानियों का शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत किया ।अर्थशास्त्री व कला मर्मज्ञ डॉ मंजू श्री गुप्ता ने कविता के माध्यम से कहानी लेखन के बुनावट विषय पर प्रभावी बात की ।मिज़ोरम विश्वविद्यालय के डॉ. अखिलेश शर्मा ने कहानी की परंपरा पर चर्चा करते हुए राजपूताना से कहानी परंपरा की मौखिक शुरुआत को इंगित करते हुए 'उसने कहा था ', कहानी के माध्यम से पात्र की अमरता पर बल दिया और कहानी के प्रमुख तीन तत्त्व प्रारंभ मध्य और अंत पर बात की । प्रभावी ढंग से कौतूहल मिश्रित कथानक ही कहानी को सफल बनाता है , उन्होंने विषय का संवर्धन करते हुए यह बात कही । हिंदी विभाग प्रभारी डॉ शमा खान ने कहानी के लेखन के मुख्य बिंदु पर चर्चा की और अपनी स्वरचित कहानी 'भूख ' का पाठ किया तथा सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया । कार्यशाला के दूसरे दिन के सत्रों का संयोजन डॉ. विमलेश शर्मा ने विषयों का संवर्धन करते हुए तथा अनेक विमर्शों तथा साहित्यिक परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए किया ।
इस कार्यशाला में साहित्यकार गोपाल माथुर , विभिन्न महाविद्यालयों के आचार्य यथा -डॉ.मंजु शर्मा , चुरू, डॉ. मधु , डॉ दीपा सहाय , डॉ अर्चना भार्गव (राजकीय महाविद्यालय, अजमेर) , डॉ नीता माथुर ,युवा लेखक सचिन और अनेक शोधार्थी उपस्थित रहे ।

Scanned with CamScanner

कार्यशाला के दूसरे दिन प्राचार्य उद्बोधन से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ उमेश भार्गव ने बताया कि साहित्यकार के समाज के प्रति कर्तव्य का निर्वाह करते हुए समाज में सकारात्मक विचारधारा का प्रवाह करता है।समाज,राष्ट्र नष्ट हो सकते हैं पर साहित्य सतत् प्रवहमान है। मुख्य वक्ता के रूप में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त श्रीआलोक रंजन ने अपनी कहानी का पाठ करते हुए कहानी के तत्त्वों पर बात की । उन्होंने स्पष्ट किया कि कथाकार कथानक को दैनिक जिंदगी से उठाता है ; वह पात्र के व्यवहार के माध्यम से चरित्र को विकसित करते हुए पाठक से तारतम्यता स्थापित करता है।उन्होंने कहा कि संवाद योजना की पकड़ ही कहानी को प्रभावी बनाती है ; कहानी का उद्देश्य समाजपरक होना,सन्देश परक होना चाहिए तथा अध्ययन की प्रवृति ही हमारे लेखन को सशक्त बनाती है।अंग्रेजी विभाग की प्रभारी डॉ. प्रवीण मिर्धा ने 'विभाजन के संदर्भ में कहानियों में विस्थापन की पीड़ा' विषय पर अपना व्याख्यान दिया ।उन्होंने विभाजन की त्रासदी में बदलती मनोभावों को कथा कारों ने अपनी लेखनी में किस तरह महसूस किया उस पर चर्चा की । उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि कहानी वह इतिहास है जो दर्ज होने से छूट गया साथ ही उन्होंने उर्दू , हिन्दी और पंजाबी की कहानियों का शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत किया ।अर्थशास्त्री व कला मर्मज्ञ डॉ मंजू श्री गुप्ता ने कविता के माध्यम से कहानी लेखन के बुनावट विषय पर प्रभावी बात की । मिज़ोरम विश्वविद्यालय के डॉ. अखिलेश शर्मा ने कहानी की परंपरा पर चर्चा करते हुए राजपूताना से कहानी परंपरा की मौखिक शुरुआत को इंगित करते हुए 'उसने कहा था ', कहानी के माध्यम से पात्र की अमरता पर बल दिया और कहानी के प्रमुख तीन तत्त्व प्रारंभ मध्य और अंत पर बात की । प्रभावी ढंग से कौतूहल मिश्रित कथानक ही कहानी को सफल बनाता है , उन्होंने विषय का संवर्धन करते हुए यह बात कही । हिंदी विभाग प्रभारी डॉ शमा खान ने कहानी के लेखन के मुख्य बिंदु पर चर्चा की और अपनी स्वरचित कहानी 'भूख ' का पाठ किया तथा सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया । कार्यशाला के दूसरे दिन के सत्रों का संयोजन डॉ. विमलेश शर्मा ने विषयों का संवर्धन करते हुए तथा अनेक विमर्शों तथा साहित्यिक परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए किया ।

इस कार्यशाला में साहित्यकार गोपाल माथुर , विभिन्न महाविद्यालयों के आचार्य यथा -डॉ.मंजु शर्मा , चुरू, डॉ. मधु , डॉ दीपा सहाय , डॉ अर्चना भार्गव (राजकीय महाविद्यालय, अजमेर) उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंतिम दिवस कार्यशाला का प्रारंभ हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ शमा खान के स्वागत उद्बोधन से किया गया । इस दिन का संपूर्ण कार्यक्रम वरिष्ठ कथाकार , पत्रकार, आलोचक और एनडीटीवी के संपादक प्रियदर्शन के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहानियों के समकालीन परिदृश्य पर बात करते हुए 'समकालीनता' शब्द पर ही प्रश्न उठाए और कहानियों को लैंगिक ,दलित व आदिवासी विमर्श के आधार पर रेखांकित किया । डॉ अंजु ने,'हिन्दी कहानी में स्त्री विमर्श' विषय पर पत्र प्रस्तुत करते हुए स्त्री विमर्श के विविध पक्षों से रूबरू करवाया विषय का प्रवर्तन करते हुए चुरू महाविद्यालय की सह आचार्य डॉ मंजु शर्मा ने राजस्थानी कहानी की परम्परा पर गहन चर्चा की । उन्होंने अपने वक्तव्य में कहानी सुनने और कहने को भी एक कला बताया।इतिहास विभाग की डॉ अंजना बारेठ ने कहानी की ऐतिहासिकता पर बात करते हुए जातक कथाओं पर बात की ।

परिसंवाद एवं कार्यशाला कार्यक्रम का प्रतिपुष्टि प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सौम्य परमार और डॉ. सुमन शर्मा ने इस आयोजन को प्रयोगात्मक और कार्यात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धक बताया । इसी क्रम में महाविद्यालय की छात्रा कृष्णा मेडतिया , कृपि जोशी व अंतिमा शर्मा ने भी कहानी कला व उसकी उपादेयता पर अपनी बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने वक्तव्य में प्राचार्य डॉ उमेश भार्गव ने व्यंग्य को कहानी हेतु ज़रूरी बताते हुए कहा कि व्यंग्य जीवन का ज़रूरी हिस्सा है । उन्होंने साहित्य व समाज के एकात्म भाव पर भी विशद चर्चा की ।कार्यक्रम में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भागीदारी निभाई।कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विमलेश शर्मा ने किया ।संपूर्ण कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा ।

प्राचार्य
राजकीय कन्या महाविद्यालय,
अजमेर

Scanned with CamScanner